sample sample

Model: M2

SrNo: 112-123-101-1078 / 52 Date: 25/01/2024

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/09/1994	जन्म तिथि	01/06/1992
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:32:00	जन्म समय	18:45:00 घंटे
घटी 15:38:20	जन्म समय(घटी)	32:56:53 घटी
India	देश	India
Sri Ganganagar	स्थान	Delhi
29:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
73:53:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:39	सूर्योदय	05:23:45
18:45:14	सूर्यास्त	19:14:26
23:47:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:20

वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृश्चिक	राशि	वृष
मंगल	राशि–स्वामी	शुक्र
अनुराधा	नक्षत्र	रोहिणी
शनि	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	धृति
गर	करण	किंस्तुघ्न
नी–नीरज	जन्म नामाक्षर	वू–वूली
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	चतुष्पाद
मृग	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 10वर्ष 11मा 30दि		14:14:15	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	12:05:28	चन्द्र 0वर्ष 5मा 30दि	
केतु		24:32:19	सिंह	सूर्य	वृष	17:31:39	गुरु	
11/09/2022		08:56:52	वृश्चि	चंद्र	वृष	22:40:00	01/12/2017	
11/09/2029		22:24:27	मिथु	मंगल	मीन	26:29:16	01/12/2033	
केतु	07/02/2023	16:46:24	कन्या	बुध	वृष	18:36:35	गुरु	19/01/2020
शुक्र	08/04/2024	17:40:34	तुला	गुरु	सिंह	12:21:28	शनि	02/08/2022
सूर्य	14/08/2024	09:08:33	तुला	शुक्र	वृष	14:13:44	बुध	07/11/2024
चन्द्र	15/03/2025	14:29:51	कुंभ व	शनि व	मक	24:43:13	केतु	13/10/2025
मंगल	11/08/2025	22:43:40	तुला	राहु व	धनु	06:56:26	शुक्र	13/06/2028
राहु	30/08/2026	22:43:40	मेष	केतु व	मिथु	06:56:26	सूर्य	02/04/2029
गुरु	06/08/2027	28:46:43	धनु व	हर्ष व	धनु	23:36:50	चन्द्र	02/08/2030
शनि	13/09/2028	26:54:37	धनु व	नेप व	धनु	24:45:10	मंगल	09/07/2031
बुध	11/09/2029	01:51:52	वृश्चि	प्लूटो व	तुला	27:15:31	राहु	01/12/2033

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:12 चित्रपक्षीय अयनांश **23:45:20**

लग्न–चलित

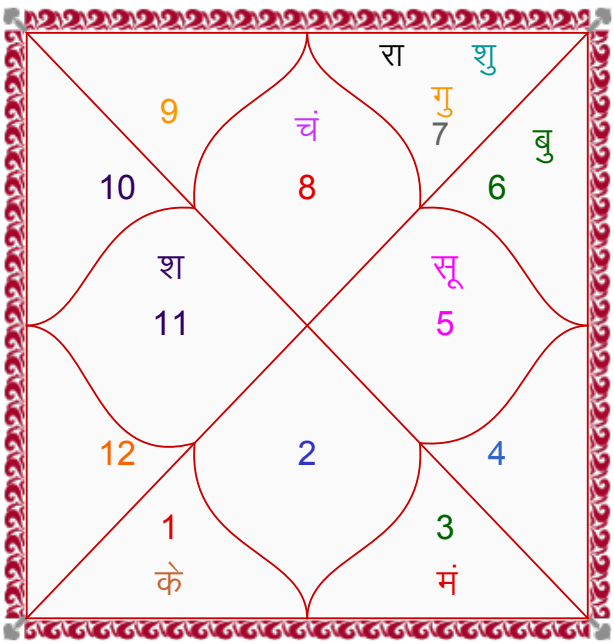

लग्न–चलित

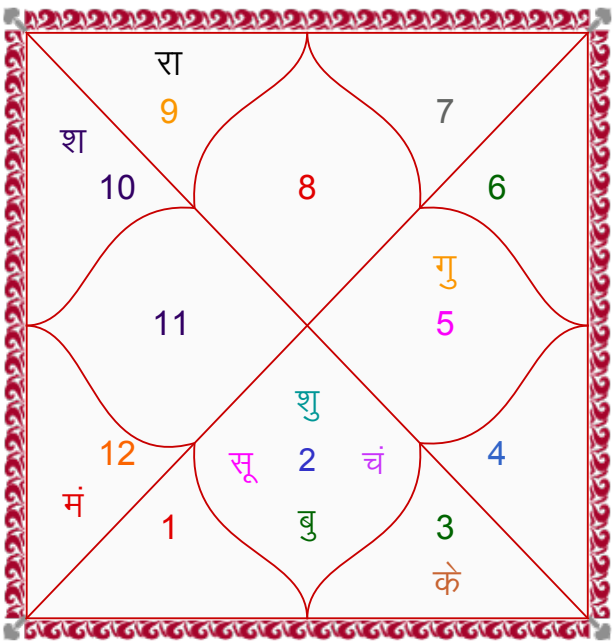

चन्द्र कुंडली

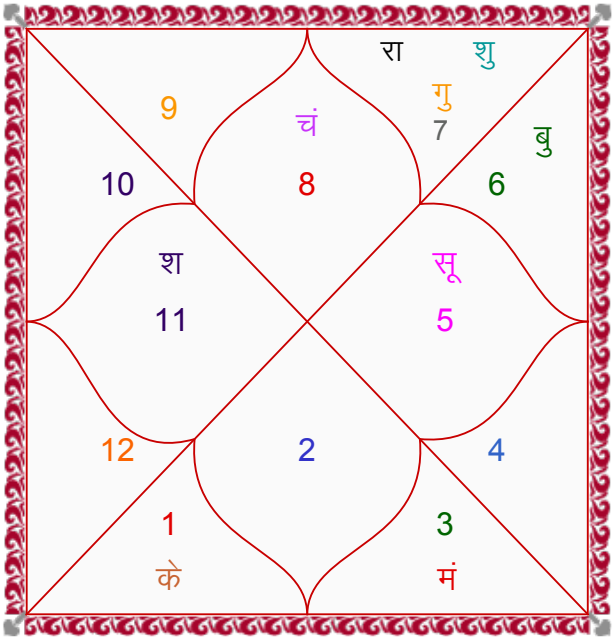

चन्द्र कुंडली

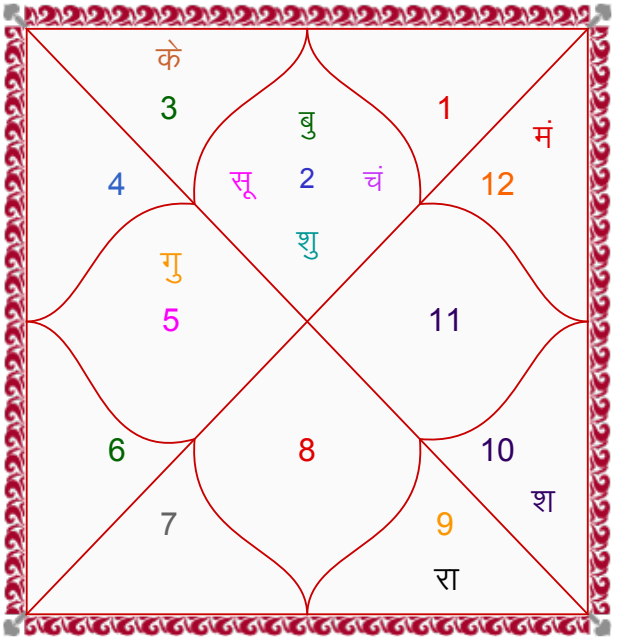

नवमांश कुंडली

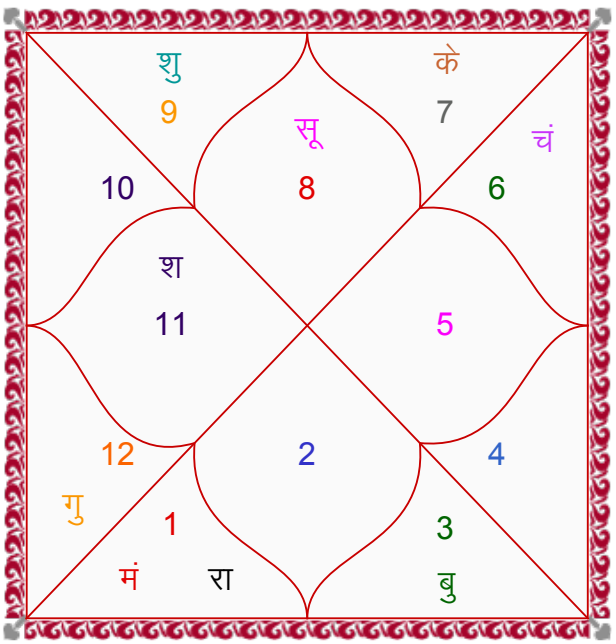

नवमांश कुंडली

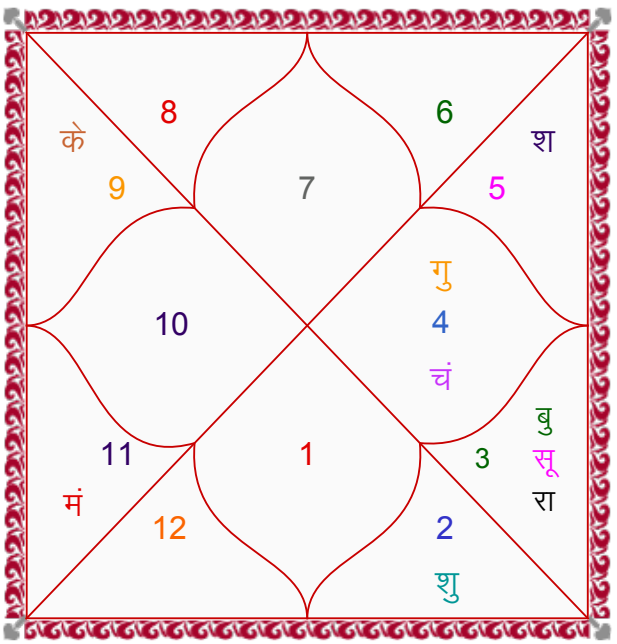

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	––	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			**36**	**29.50**		

sample का वर्ग सर्प है तथा sample का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार sample और sample का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

sample मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

sample मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि sample कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

sample तथा sample में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

sample की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा sample की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण sample और sample में स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में प्रगाढ़ता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान अच्छा रहेगा।

sample की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा sample की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर समराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से sample और sample के आपसी संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी तथा पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि में भी वृद्धि होगी।

sample तथा sample की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से sample और sample का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा परस्पर सम्मान पूर्वक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करते हुए सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः sample और sample का वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा।

sample का वश्य कीट एवं sample का वश्य चतुष्पद है। कीट एवं चतुष्पद में समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

sample का वर्ण ब्राह्मण तथा sample का वर्ण वैश्य है। अतः sample क्षीणक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रखेंगे जबकि sample धनार्जन संबधी कार्यो में तत्पर रहेंगी। इससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी तथा आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी।

धन

sample और sample दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

sample मध्य नाड़ी तथा sample अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु sample के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। sample सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए sample को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से sample और sample का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त sample और sample के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में sample के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन sample को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में sample को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से sample और sample सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार sample और sample का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल–सुश्री

sample के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही sample सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में sample को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि sample धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से sample के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्विमता से ही sample ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल–श्री

sample के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में sample के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण sample के प्रति सामान्य ही रहेगा।